जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 112 प्रभात चूरू, मंगलवार 19 अगस्त, 2025 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

# अशोक गहलोत की सोनिया गांधी से मिलने की हर कोशिश नाकाम हो रही है दिल्ली में

## अतः अब गहलोत ने राजीव गांधी स्टडी सर्किल का रास्ता चुना है, सोनिया गांधी का दरवाजा खटखटाने के लिए

- रेणु मित्तल -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 18 अगस्त। अशोक गहलोत सोनिया गांधी से मिलने के लिए बेताब हैं। जैसे-जैसे दिन, महीने और साल बीत रहे हैं, उनकी यह बेचैनी बढ़ती जा रही है, क्योंकि अपनी तमाम कोशिशों के बावजूद वह उस बग़ावत के बाद से सोनिया गांधी से मुलाक़ात नहीं कर पाए हैं, जिसने 10 जनपथ के दरवाज़े उनके लिए बंद कर दिए थे।

लेकिन गहलोत हार मानने वालों में से नहीं हैं। अब उन्होंने सोनिया गांधी से मिलने के लिए एक नया तरीका खोजा है।

20 अगस्त पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती है। इस अवसर पर उन्हें याद करने और सम्मान देने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। राजस्थान में अशोक गहलोत ने एक राजीव गांधी स्टडी सर्कल बना रखा है। जब गहलोत सत्ता से बाहर होते हैं तब यह संगठन सक्रिय होता है और उनके सत्ता में आने पर लगभग भुला दिया जाता है।

- 20 अगस्त को दिवंगत राजीव गांधी का जन्म दिन है, अतः गहलोत, राजीव गांधी स्टडी सर्किल के कुछ सदस्यों को साथ लेकर दिल्ली पहुंच रहे हैं, तथा राजीव गांधी फाउंडेशन की अध्यक्ष सोनिया गांधी से मिलने का प्रयास करेंगे, क्योंकि राजीव गांधी के जन्म दिवस के उपलक्ष में कई प्रोग्राम आयोजित किये जाते हैं।
- राजीव गांधी स्टडी सर्किल यह जताने का प्रयास करेगा कि वह राजीव गांधी के आदर्शों के प्रति पूरी तरह वफादार है। पर, सच यह है, कि गहलोत का राजीव गांधी स्टडी सर्किल उन दिनों में ही ''एक्टिव'' होता है, जब गहलोत सत्ता में नहीं होते, तथा निष्क्रिय हो जाता है, गहलोत के सत्ता में आते ही।
- राजस्थान में राजीव गांधी स्टडी सर्किल के वरिष्ठ सदस्य हैं, सुभाष गर्ग जो गहलोत सरकार में मंत्री थे, तथा अब एनडीए में हैं तथा पेपर लीक प्रकरण में भी काफी चर्चित रहे हैं।
- गहलोत के अभी भी कई मित्र हैं, ए.आई.सी.सी. में, पर कांग्रेस की तत्कालीन अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ बगावत के बाद, अब गहलोत के मित्रों की सूची में सोनिया गांधी, राहुल गांधी का नाम शामिल नहीं है।

गहलोत को अब यह आईडिया आया है कि स्टडी सर्कल के ज़रिये वह राजीव गांधी फ़ाउंडेशन तक पहुँच सकते हैं, जिसकी अध्यक्ष सोनिया गांधी हैं। उन्हें उम्मीद है कि इसी बहाने वह सोनिया गांधी से मुलाक़ात कर पाएंगे।

गहलोत कल स्टडी सर्कल के सदस्यों के साथ दिल्ली पहुँच रहे हैं। यह टीम दिल्ली में राजीव गांधी और उनकी विरासत के प्रति अपनी निष्ठा दिखाने का प्रयास करेगी।

दिलचस्प बात यह है कि स्टडी सर्कल के एक अहम सदस्य सुभाष गर्ग, जो गहलोत सरकार में मंत्री रहे और पहले लोकदल में थे, राजस्थान के चर्चित पेपर लीक मामले में फँसे पाए गए हैं। गर्ग अब एनडीए में हैं, लेकिन फिर भी

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## जर्जर स्कूलों की स्थिति पर इमारतों के मामले में हाईकोर्ट ने न्याय मित्र नियुक्त किये

जयपुर, 18 अगस्त। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश की स्कूलों की इमारतों की बदहाल स्थिति से जुड़े मामले में राज्य सरकार को जवाब पेश करने के लिए 22 अगस्त तक का समय दिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में अदालत का सहयोग करने के लिए महेन्द्र शांडिल्य, एसएस होरा और तन्मय ढंड को न्यायमित्र नियुक्त किया है। जस्टिस महेन्द्र गोयल और जस्टिस अशोक कुमार जैन की खंडपीठ ने आदेश प्रकरण में लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

- अदालत को सहयोग देने के लिये महेन्द्र शांडिल्य, एसएस होरा तथा तन्मय ढंड को न्यायमित्र नियुक्त किया गया है।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि मामले में जल्दी ही जवाब पेश कर दिया जाएगा। वहीं अन्य पक्षकारों ने भी जवाब के लिए समय मांगा। इस पर अदालत ने मामले में सुनवाई 22 अगस्त को तय की है। गौरतलब है कि हाईकोर्ट की एकलपीठ ने गत 28 जुलाई को प्रदेश की सरकारी स्कूलों के जर्जर भवनों सहित उनमें संसाधनों की कमी को लेकर स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लिया था। इसके साथ ही अदालत ने

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# इण्डिया गठबन्धन मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए प्रस्ताव लायेगा संसद में

## मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की भी वही प्रक्रिया अपनानी पड़ती है, जो सुप्रीम कोर्ट के जज को हटाने के लिए अख्तियार करनी होती है

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 18 अगस्त। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा विपक्ष के नेता राहुल गांधी से अपने आरोपों के समर्थन में सात दिनों के भीतर शपथपत्र दाखिल करने या पूरे देश से माफी मांगने की मांग किए जाने के बाद विपक्षी इंडिया गठबंधन चुनाव आयोग प्रमुख के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने पर विचार कर रहा है।

सूत्रों के अनुसार, महाभियोग का मुद्दा सोमवार सुबह संसद सत्र से पहले गठबंधन के सहयोगी दलों की बैठक में चर्चा के लिए उठा।

विपक्ष ने संसद में बिहार में मतदाता सूचियों की विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, जिसके कारण दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित हो गई।

मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 के तहत मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए वही आधार हैं जो सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश को हटाने के लिए होते हैं।

- इण्डिया गठबन्धन का मानना है कि वह अपने प्रस्ताव पर पर्याप्त संख्या में सांसदों के हस्ताक्षर प्राप्त कर लेगा, चाहे प्रस्ताव को संसद में पारित कराने के लिए पर्याप्त संख्या में सांसदों के हस्ताक्षर प्राप्त न कर पाये।
- इण्डिया गठबंधन का मानना है कि संख्या बल का, ''प्री-टेस्ट'' वह दोनों सदनों में पूर्णतया कार्यवाही न चलने देने के अभियान से कर चुका है। पर हटाने का प्रस्ताव पारित कराने के लिए दो तिहाई बहुमत चाहिए, संसद में। लेकिन, केवल पचास सांसदों के हस्ताक्षर चाहिए प्रस्ताव को संसद में पेश करने के लिए।
- राहुल गांधी ने वोटर अधिकार यात्रा के दूसरे दिन यात्रा शुरू करने से पहले, तेजस्वी यादव व विकासशील इन्सान पार्टी के मुकेश सहनी के साथ औरंगाबाद में स्थित देवकुण्ड, सूर्य मंदिर में पूजा अर्चना की। यात्रा, सोमवार की शाम को गया पहुंचेगी और 16 दिन बाद यात्रा का समापन पटना में होगा।

महाभियोग प्रस्ताव को पारित करने के लिए दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत आवश्यक है। प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए कम से कम 50 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं। हालांकि इंडिया गठबंधन आवश्यक हस्ताक्षर जुटा सकता है, लेकिन प्रस्ताव के पारित होने की संभावना नहीं है।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# विपक्ष ने एक बार फिर राज्यसभा से वॉक आउट किया

## विपक्षी सांसद बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण कवायद पर चर्चा की मांग कर रहे थे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अगस्त। विपक्षी सांसदों ने सोमवार को राज्यसभा में बिहार की मतदाता सूची संशोधन पर चर्चा की मांग को लेकर वॉकआउट कर दिया।

दोपहर में जब डॉ. सस्मित पात्रा (बीजेडी) सदन की अध्यक्षता कर रहे थे, तब सदन ने ''इंडियन पोर्ट्स बिल'' पर चर्चा की, जो 1908 के ब्रिटिशकालीन कानून की जगह लेगा। यह चर्चा दो घंटे से अधिक चली और विपक्ष की अनुपस्थिति के कारण बिना किसी बाधा के हुई। बिल को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया और विपक्ष द्वारा दिए गए सभी संशोधन वॉकआउट की वजह से गिर गए।

- सदन के सबसे पहले विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने बिहार मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण पर चर्चा की मांग की, जिसका अन्य विपक्षी सांसदों ने भी समर्थन किया।
- पर आसन ने कहा, मामला हाईकोर्ट में है इसलिए चर्चा नहीं होगी, फिर विपक्ष ने भारी नारेबाजी के बीच सदन से वॉक आउट किया। इसके बाद दिन में ढाई बजे सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे खड़े होकर बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण पर चर्चा की मांग कर रहे थे। उनके साथ अन्य विपक्षी सांसद भी इस मुद्दे पर चर्चा की मांग में शामिल हुए।

हालांकि, पीठासीन अधिकारी ने यह कहते हुए चर्चा से इंकार कर दिया कि मामला अदालत में लंबित है। इससे विपक्षी सांसदों ने नारेबाज़ी शुरू कर दी और अंततः सदन से बाहर चले गए। इससे पहले सुबह सदन की कार्यवाही थोड़ी देर चली और फिर दोपहर 2 बजे तक स्थगित कर दी गई।

लोकसभा का भी हाल यही रहा। प्रश्नकाल से लेकर दोपहर 2 बजे तक लगातार हंगामा होता रहा। दोपहर में जब सदन दोबारा 2 बजे बैठक के लिए जुटा तो बिहार मतदाता सूची को लेकर फिर से हंगामा शुरू हो गया। इसके चलते पीठासीन अधिकारी दिलीप सैकिया ने ढाई बजे लोकसभा की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी।

## रिटायर्ड कैप्टन को टक्कर मारने वाली महिला गिरफ्तार

जयपुर, 18 अगस्त। चित्रकूट थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आर्मी से रिटायर्ड कैप्टन को टक्कर मार कर फरार होने वाली महिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि इस हादसे के बाद आधा किमी दूर कार रोक कर उसने कार में फंसी साईकिल निकाली थी।

पुलिस के अनुसार गांधी पथ क्षेत्र में साइकिल चला रहे सेना के रिटायर्ड कैप्टन 64 वर्षीय नरसाराम को टक्कर

- आरोपी महिला सॉफ्ट वेयर इंजीनियर है तथा वैशाली नगर निवासी है।

मारने वाली एसयूवी की चालक महिला है, जिसकी पहचान सुरभि (40) वैशाली नगर निवासी के रुप में की गई। पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर सुरभि कार से लालरपुरा गांधी पथ होते हुए वैशाली नगर जा रही थी। इस दौरान बेटा भी साथ था। टक्कर लगने के बाद साइकिल कार में फंस गई। इसके बाद सुरभि ने करीब आधा किलोमीटर दूर जाकर गांधी पथ

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# अलास्का बैठक में ट्रम्प की ''बॉडी लैंग्वेज'' हारे हुए खिलाड़ी की क्यों थी?

## ऐसा लगता है कि उन्हें पुतिन की हर तो माननी पड़ी ही, पर, साथ में राष्ट्रपति पुतिन का ''निरर्थक सा'' पूरा भाषण भी मजबूरन सुनना पड़ा

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अगस्त। वॉशिंगटन में आज रात अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति ज़ेलेन्स्की के बीच हो रही बहुप्रतीक्षित बैठक से, यूक्रेन युद्ध को सुलझाने के लिए एक संभावित समझौते की कुछ रूपरेखाएं धुंधली ही सही, लेकिन उभरती हुई दिख रही हैं।

यह संभावनाएं मुख्य रूप से यूक्रेन द्वारा ज़मीन पर रियायतें देने और रूस द्वारा यूक्रेन के लिए अमेरिका की सुरक्षा गारंटी को स्वीकारने के इर्द-गिर्द घूमती हैं। यह यूक्रेन के लिए एक तरह का अपने रुख से पीछे हटने जैसा है, क्योंकि इसके तहत उसे भविष्य में नाटो की सदस्यता लेने की योजना को भी छोड़ना पड़ेगा।

लेकिन इस पूरी कूटनीतिक प्रक्रिया में सबसे महत्वपूर्ण बात भारत की अनिच्छुक भूमिका है।

जहाँ एक ओर भारत ने लगातार संवाद और तत्काल युद्धविराम के ज़रिए क्षेत्र में शांति लाने की मांग की है, वहीं भारत खुद इस पूरे भंवर के केंद्र में आ गया है। यह भारत ही है जो रूस से तेल खरीद जारी रखने के कारण अमेरिका की तरफ से द्वितीयक प्रतिबंध का पहला निशाना बना है।

- पुतिन को क्रीमिया, डोनबास आदि भूमि देने का वादा सा किया है ट्रम्प ने। तथा , साथ ही युक्रेन को नाटो की सदस्यता का सपना देखना छोड़ना पड़ेगा। संभवतया, पुतिन की एक ही बात नहीं मानी जायेगी, कि, युक्रेन का एक देश के रुप अस्तित्व खत्म हो जाए।
- भारत को सम्भवतया इस बात से संतोष करना पड़ेगा कि, पुतिन ने स्वयम् फोन करके प्र.मंत्री मोदी को मुलाकात का विवरण बताया, अतः भारत ने अन्तर्राष्ट्रीय जगत में एक महत्वपूर्ण भूमिका पाई और ऐसा कहा जा रहा है, कि विदेश मंत्रालय इस फोन कॉल का ''ट्रांसक्रिप्शन'' प्रसारित करेगा।

दूसरी ओर, यह भी भारत ही है जिसे रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ अलास्का में हुई वार्ता की जानकारी देने के लिए फ़ोन किया। प्रधानमंत्री कार्यालय और विदेश मंत्रालय ने मोदी-पुतिन बातचीत का आधिकारिक ब्यौरा भी जारी किया।

संयोगवश, यह स्पष्ट नहीं है - यहाँ तक कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया की रिपोर्टिंग से भी - कि क्या चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को भी इस शिखर वार्ता के बाद जानकारी दी गई है या नहीं। रूसी राष्ट्रपति ने केवल कुछ चुनिंदा देशों, जिनमें भारत और कज़ाकिस्तान व ताजिकिस्तान जैसे पूर्व सोवियत मध्य एशियाई देश शामिल हैं, को फ़ोन किया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप, अलास्का शिखर वार्ता के परिणामों से स्पष्ट रूप से असंतुष्ट रहे, जिसकी झलक उनके हावभाव से भी दिखाई दी। बैठक के बाद पुतिन ने कुछ महत्वहीन बातें कहीं, जिन्हें ट्रंप को मजबूरी में सुनना पड़ा।

डॉनाल्ड ट्रंप अभी तक भी रूस के खिलाफ उस सख्त दंडात्मक कार्रवाई को शुरू नहीं कर सके हैं, जिसका उन्होंने वादा किया था। उन्होंने कहा था कि अगर

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## लालू के बेटे तेज प्रताप ने बनाई नई पार्टी

पटना, 18 अगस्त। तेज प्रताप यादव ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) से अलग होकर अपनी नई पार्टी बनाने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने अपनी पार्टी का नाम 'जनशक्ति जनता दल' रखा है। वो इस पार्टी का रजिस्ट्रेशन कराने के लिए चुनाव आयोग गए थे। 2024 के लोकसभा चुनाव में तेज प्रताप के करीबी बालेंद्र दास ने इसी पार्टी

- तेज प्रताप ने पार्टी का नाम जनशक्ति जनता दल रखा है, वो पार्टी का रजिस्ट्रेशन कराने चुनाव आयोग कार्यालय गए थे।

से चुनाव लड़ा था। उन्हें चुनाव चिन्ह के रूप में बांसुरी मिली है। अनुष्का यादव मामले के बाद तेज प्रताप को उनके पिता लालू यादव ने आरजेडी से निकाल दिया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि तेज प्रताप यादव नई पार्टी रजिस्टर करने के लिए आवेदन लेकर आए थे। इससे पहले तेज प्रताप यादव टीम तेज प्रताप यादव के नाम से प्रचार कर रही थी। अब उन्होंने अपनी नई पार्टी बना ली है।

# 'भारत पर ''डबल पैनल्टी'' लगाने से रूस टेबल पर आया बातचीत के लिए'

## ट्रम्प ने यह अजीबोगरीब तर्क दिया, भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ व 25 प्रतिशत पैनल्टी लगाने को सही ठहराने के प्रयास में

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अगस्त। वॉशिंगटन की प्रतिबंध नीति (सैंक्शन पॉलिसी) एक बार फिर विवादों में है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने साफ़ कहा कि अगर रूसी तेल रिफाइन करने को लेकर चीन पर सेकेंडरी सैंक्शन लगाए गए, तो वैश्विक ऊर्जा बाज़ार हिल जाएगा, लेकिन, फिर भी, बीज़िंग नहीं, बल्कि भारत अमेरिकी दंड का सामना कर रहा है। इस विरोधाभास ने वॉशिंगटन की रणनीति की कमजोरियों को उजागर कर दिया है, अमेरिका पर दोहरे मापदंड के आरोप लगे हैं और भारत को अपने सबसे ताक़तवर साझेदार के साथ मुश्किल रिश्तों का सामना करना पड़ रहा है।

फ़ॉक्स न्यूज़ से बातचीत में रूबियो ने चेतावनी दी कि चीनी रिफाइनरीज़ पर सैंक्शन लगाने से वैश्विक तेल बाज़ार में अफरातफरी मच सकती है। उन्होंने कहा, ''अगर आप किसी देश पर सेकेंडरी सैंक्शन लगाते हैं, जैसे रूस से चीन को तेल शिपमेंट्स के मामले में, तो चीन बस उस तेल को रिफाइन करेगा और वही तेल फिर वैश्विक बाज़ार में लौट आएगा। जो भी इसे खरीदेगा उसे ज़्यादा कीमत चुकानी होगी, और अगर तेल उपलब्ध न हुआ तो वैकल्पिक स्रोत खोजना पड़ेगा।'' उनकी इस साफगोई ने वही बात दोहराई है जो ऊर्जा विश्लेषक लंबे समय से कह रहे हैं: चीन को दंडित करने से सिर्फ़ बीजिंग ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया प्रभावित होगी।

रूबियो ने स्वीकार किया कि वॉशिंगटन के सहयोगी देश भी इसे लेकर असहज हैं। उन्होंने कहा, ''जब हमने सीनेट बिल में चीन और भारत पर 100 प्रतिशत टैरिफ का प्रस्ताव रखा, तो कई यूरोपीय देशों ने इस पर असंतोष व नाराज़गी जताई।''

लेकिन, जहां चीन को लेकर सावधानी बरती जा रही है, वहीं भारत पर वॉशिंगटन का रवैया कहीं ज़्यादा सख़्त है। पूर्व में, फ़ॉक्स रेडियो से इंटरव्यू में, रूबियो ने भारत द्वारा रूस से सस्ते

- दूसरी ओर अमेरिका के ''विदेश सचिव'' (विदेश मंत्री) मार्को रूबियो ने ''फॉक्स न्यूज'' से बातचीत में यह स्वीकार किया कि अमेरिका एलाइज़ (मित्र राष्ट्रों) में काफी बेचैनी है, कि अमेरिका की टैरिफ नीति किसी सिद्धांत पर आधारित नहीं है, बल्कि ''जियोपॉलिटिकल'' (अन्तरराष्ट्रीय) स्थिति की मजबूरी के आधार पर बनी है।
- अमेरिका चीन के खिलाफ ''पैनल्टी'' इसलिए नहीं लगा रहा है, क्योंकि, इस पैनल्टी से अन्तरराष्ट्रीय ऑयल मार्केट में भूचाल आ जायेगा। भारत पर हाई टैरिफ व पैनल्टी लगाने से भारत अमेरिका सम्बन्धों में कुछ कटुता जरूर आई है, हालांकि, दोनों देश, भारत व चीन, रूस से ऑयल खरीदने का ''अपराध'' कर रहे हैं, अमेरिका की दृष्टि में।

तेल की लगातार खरीद को ''यूक्रेन युद्ध में रूस की मदद'' बताया। उन्होंने माना कि यह अमेरिका-भारत रिश्तों में ''खटास'' का कारण है, हालांकि यह एकमात्र वजह नहीं। उन्होंने कहा, ''भारत की ऊर्जा ज़रूरतें बहुत बड़ी हैं और वह रूस से तेल खरीदता है क्योंकि सैंक्शन लगा होने से वह सस्ता मिलता है.. दुर्भाग्य से, यही रूस को युद्ध जारी रखने में मदद कर रहा है।''

यह नाराज़गी अब दंडात्मक कदमों में बदल गई है। ट्रंप प्रशासन ने पहले ही भारतीय सामान पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया था और हाल ही में इसे दोगुना कर 50 प्रतिशत कर दिया। वाइट हाउस ने नई दिल्ली को यह चेतावनी भी दी है कि अगर उसने रूसी ऊर्जा व्यापार को कम नहीं किया तो सेकेंडरी सैंक्शन भी लगाए जा सकते हैं।

यह असमान व्यवहार अनदेखा नहीं रहा। आलोचकों का कहना है कि चीन के मामले में नरमी और भारत पर सख़्ती वॉशिंगटन के दोहरे मापदंड को उजागर करती है। चीन की ऊर्जा खरीद इतनी अहम मानी जा रही है कि उस पर कार्रवाई से बचा जा रहा है, जबकि भारत, जो अमेरिका का करीबी साझेदार है पर बराबरी का प्रतियोगी नहीं, आसान निशाना बन गया है। परिणामस्वरूप, आलोचकों के अनुसार यह सैंक्शन नीति सिद्धांत से ज़्यादा भू-राजनीतिक सुविधा पर आधारित लगती है।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## सेन्ट्रल जेल में एक बंदी की मौत

जयपुर, 18 अगस्त। लाल कोठी थाना इलाके में स्थित जयपुर सेंट्रल जेल में एक बंदी की मौत हो गई। सदर थाना पुलिस ने सात दिन पहले गिरफ्तार कर उसे न्यायिक हिरासत भेजा था। अचानक तबीयत बिगड़ने पर उसे सवाई मानसिंह अस्पताल भेजा गया था। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

- पुलिस ने पोस्ट मार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी सदर) धर्मवीर सिंह ने बताया कि कालवाड़ रोड के हाथोज निवासी यश राठौड़ उर्फ कालू (19) की मौत हुई है। आठ अगस्त को यश राठौड़ ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर हनुमानगढ़ के नोहर निवासी पंकज कुमार का अपहरण कर लूटपाट की थी। पंकज जब रात के समय जयपुर रेलवे जंक्शन से बहन के घर बाइक कैब से जा रहा था तब धाबास पुलिया के पास उसका अपहरण किया गया था।